पहली मानव-संचालित जलमग्न पनडुब्बी

भारत गहरे महासागर मिशन के भाग के रूप में अपनी पहली मानव-संचालित जलमग्न पनडुब्बी तैनात करने की तैयारी कर रहा है।

प्रमुख बिंदु

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार यह **पनडुब्बी 500 मीटर की गहराई तक के लिए डिजाइन की गई है।**
- **इसके इसी वर्ष (2025) प्रक्षेपित होने** की उम्मीद है तथा अगले वर्ष तक इसकी पहुंच 6,000 मीटर तक बढ़ाने की योजना है।
- यह घोषणा नई दिल्ली के पृथ्वी भवन में मिशन संचालन समिति की दूसरी बैठक के दौरान की गई।
- गहरे **महासागर मिशन का उद्देश्य जलमग्न संसाधनों का पता लगाना,** गहरे समुद्र के पारिस्थितिकी तंत्र के ज्ञान में सुधार करना और भारत की नीली अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाना है।
- मिशन के उद्देश्यों में महत्वपूर्ण खनिजों, दुर्लभ धातुओं और अज्ञात समुद्री जैव विविधता की पहचान करना शामिल है, जिनके आर्थिक और पर्यावरणीय निहितार्थ हैं।

राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार योजना, 2025

पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने 23 जनवरी, 2025 को अनुभव नोडल अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार योजना, 2025 पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

प्रमुख बिंदु

- कार्यशाला में **12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों सहित विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के अधिकारी शामिल हुए।**
- **लॉन्च**: अनुभव पोर्टल **वर्ष 2015 में भारत के माननीय प्रधान मंत्री के कहने पर भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक पहल है।**
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य सेवानिवृत्त/सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों को उनके सेवाकाल के दौरान प्राप्त **बहुमूल्य अनुभवों और अंतर्दृष्टि को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना है।**
- अनुभव आलेख को केन्द्र सरकार के कर्मचारी अपनी सेवानिवृत्ति से 8 महीने पहले से लेकर सेवानिवृत्ति के 1 वर्ष तक की समयावधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।
- **ऐतिहासिक क्षण:** राष्ट्रीय अनुभव पुरस्कार योजना, 2025, **अनुभव पोर्टल के इतिहास में ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि पहली बार केंद्र सरकार के कर्मचारियों के अलावा,** सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों सहित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसयू) के कर्मचारी भी अपने लेख प्रस्तुत करने के पात्र होंगे।

संजय

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 24 जनवरी, 2025 को साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली से **'संजय - युद्धक्षेत्र निगरानी प्रणाली (बीएसएस)'** को हरी झंडी दिखाई।

प्रमुख बिंदु

- **यह क्या है?** संजय एक स्वचालित प्रणाली है जो सभी जमीनी और हवाई युद्धक्षेत्र सेंसरों से प्राप्त इनपुट को एकीकृत करती है, उनकी सत्यता की पुष्टि करने के लिए उनका प्रसंस्करण करती है, दोहराव को रोकती है और उन्हें सुरक्षित सेना डेटा नेटवर्क और सैटेलाइट संचार नेटवर्क पर युद्धक्षेत्र का एक सामान्य निगरानी चित्र बनाने के लिए संयोजित करती है।
- यह युद्धक्षेत्र की पारदर्शिता को बढ़ाएगा **और एक केंद्रीकृत वेब एप्लिकेशन के माध्यम से भविष्य के युद्धक्षेत्र को बदल देगा**, जो कमांड और सेना मुख्यालय और भारतीय सेना निर्णय समर्थन प्रणाली को इनपुट प्रदान करेगा।
- बीएसएस **अत्याधुनिक सेंसर और अत्याधुनिक एनालिटिक्स से लैस है।** यह विशाल भूमि सीमाओं की निगरानी करेगा, घुसपैठ को रोकेगा, अद्वितीय सटीकता के साथ स्थितियों का आकलन करेगा और खुफिया, निगरानी और टोही में एक बल गुणक साबित होगा।

- **विकास**: इसे **भारतीय सेना और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल)** द्वारा स्वदेशी रूप से और संयुक्त रूप से विकसित किया गया है, जो भारतीय सेना के 'प्रौद्योगिकी अवशोषण वर्ष' के अनुसरण में 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने की दिशा में एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार कर रहा है।
- इन प्रणालियों को भारतीय सेना के सभी परिचालन ब्रिगेडों, डिवीजनों और कोर में तीन चरणों में मार्च से अक्टूबर 2025 तक शामिल किया जाएगा, जिसे रक्षा मंत्रालय (MoD) में 'सुधारों का वर्ष' घोषित किया गया है।

बीएसएनएल ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में आईएफटीवी पायलट लांच किया

भारत के विश्वसनीय दूरसंचार साझेदार भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने अपने आईएफटीवी का विस्तार पूर्वी उत्तर प्रदेश तक कर दिया है।

प्रमुख बिंदु

- **पुडुचेरी में** इसके पायलट लॉन्च की सफलता के बाद, यह **एफटीटीएच उपयोगकर्ताओं के लिए पायलट के रूप में उत्तर प्रदेश में सेवा का पहला रोलआउट है।**
- आईएफटीवी **भारत की पहली फाइबर-आधारित इंट्रानेट टीवी सेवा है** । यह विशेष रूप से बीएसएनएल के फाइबर-टू-द-होम (एफटीटीएच) ग्राहकों के लिए है।
- इसमें **यूपी ईस्ट के उपयोगकर्ताओं को प्रीमियम चैनलों सहित 500 से अधिक लाइव टीवी चैनल मुफ्त में उपलब्ध कराए जाएंगे।**

- यह विस्तार बीएसएनएल की रोजमर्रा की जिंदगी में अत्याधुनिक मनोरंजन को एकीकृत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- पूर्वी उत्तर प्रदेश के बाद, आईएफटीवी को फरवरी 2025 में महाराष्ट्र, बिहार और झारखंड में भी शुरू किया जाएगा, तथा जल्द ही इसे देश भर में उपलब्ध कराने की योजना है।

उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान

उत्तर प्रदेश के छह प्रतिष्ठित व्यक्तियों के अनुकरणीय कार्यों को राज्य सरकार द्वारा 24 जनवरी 2025 को यूपी दिवस के अवसर पर मान्यता दी गई। संस्कृति विभाग ने उन्हें यूपी गौरव सम्मान से सम्मानित किया।

पुरस्कार प्राप्तकर्ता:

1. **कृष्णकांत शुक्ला** : वे वाराणसी से हैं और पंडित कुमार गंधर्व और उस्ताद अली अकबर खान के शिष्य हैं। शुक्ला ने उत्तर प्रदेश के लोकगीतों की तेजी से लुप्त होती विरासत को दस्तावेजित करने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है, जिनमें से कुछ 1,400 साल से भी पुराने हैं।
2. **हिमांशु गुप्ता** : वे वृंदावन के एक उद्यमी हैं जो पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध हैं, वे भी पुरस्कार पाने वाले अन्य लोगों में से एक हैं। क्लाइमेट एआई के सह-संस्थापक और प्रमुख गुप्ता, टिकाऊ ऊर्जा के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय नाम हैं और उनके काम के लिए उन्हें फोर्ब्स की 30 अंडर 30 में शामिल किया गया था।
3. **मनीष वर्मा** : वे कानपुर के एक कृषिविद् हैं, तीसरे प्राप्तकर्ता थे। उन्होंने गोदाम और खाद्य प्रसंस्करण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसमें गरीब, पिछड़े और आदिवासी किसानों के उत्थान पर ध्यान केंद्रित किया गया है। वर्मा ने इन किसान परिवारों की बेटियों का समर्थन करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
4. **कृष्णा यादव** : बुलंदशहर की एक महिला उद्यमी हैं, जिन्हें आत्मनिर्भरता के लिए एक आदर्श के रूप में सराहा गया है। 1990 के दशक में एक दोस्त से उधार लिए गए मात्र 500 रुपये से अचार बनाने का व्यवसाय शुरू करने वाली कृष्णा अब 100 से अधिक महिलाओं के साथ सहयोग कर रही हैं। उनकी कंपनी का हाल ही में 5 करोड़ रुपये का कारोबार उनकी सफलता को दर्शाता है।

5. **कर्नल सुभाष देशवाल:** 21 वर्षों तक भारतीय सेना में सेवा देने के बाद उन्होंने 2002 में बुलंदशहर में कृषि की ओर रुख किया। आज, वे भारत के सबसे बड़े गाजर उत्पादक हैं और उन्होंने पूरे वर्ष गाजर की विदेशी किस्मों को उगाने और भंडारण के लिए नवीन तरीके विकसित किए हैं।
6. **डॉ. जय सिंह:** छठे पुरस्कार विजेता, डॉ. जय सिंह बहराइच के एक प्रसिद्ध केला उत्पादन विशेषज्ञ हैं, उन्हें अत्यधिक तापमान में केला उत्पादन को बनाए रखने और इस क्षेत्र में दूसरों को मार्गदर्शन देने में उनके अग्रणी कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

नोट : प्रत्येक प्राप्तकर्ता को 11 लाख रुपये, प्रशंसा प्रमाण पत्र और एक औपचारिक स्टोल प्रदान किया गया।

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI)- वाराणसी में क्षेत्रीय कार्यालय

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यू-एआई) ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में अपना छठा क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित किया।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रीय जलमार्ग-1 (एनडब्ल्यू-1), गंगा नदी में अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) गतिविधियों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए, केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) ने 23 जनवरी, 2025 को वाराणसी में अपने मौजूदा उप-कार्यालय को पूर्ण क्षेत्रीय कार्यालय में उन्नत किया है।
- **उद्देश्य** : इस निर्णय का उद्देश्य **उत्तर प्रदेश राज्य में आईडब्ल्यूएआई परियोजनाओं और संबंधित कार्यों को सुव्यवस्थित करना है।**
- **क्षेत्रीय कार्यालय:** आईडब्ल्यूएआई के वर्तमान में पांच क्षेत्रीय कार्यालय हैं:
  - गुवाहाटी (असम),
  - पटना (बिहार),
  - कोच्चि (केरल),
  - भुवनेश्वर (ओडिशा)
  - कोलकाता (पश्चिम बंगाल)।
  - अब इसका छठा क्षेत्रीय कार्यालय उत्तर प्रदेश के वाराणसी में होगा।
- वाराणसी क्षेत्रीय कार्यालय का उप-कार्यालय प्रयागराज में होगा। यह **मझुआ से वाराणसी एमएमटी (मल्टी-मॉडल टर्मिनल)** और आगे प्रयागराज तक 487 किलोमीटर के मार्ग के अलावा उत्तर प्रदेश के अन्य राष्ट्रीय जलमार्गों के कार्यों की देखरेख करेगा।
- **उद्देश्य** : विश्व बैंक द्वारा समर्थित **जल मार्ग विकास परियोजना (जेएमवीपी) का क्रियान्वयन इसकी प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक होगा।** जेएमवीपी का उद्देश्य वाराणसी में पहले से निर्मित एमएमटी के अलावा विभिन्न नदी संरक्षण कार्यों जैसे कि बांध बनाना और रखरखाव ड्रेजिंग के माध्यम से गंगा नदी यानी एनडब्ल्यू-1 की क्षमता में वृद्धि करना है, ताकि जलमार्ग पर क्रूज पर्यटन और सुचारू माल ढुलाई को बढ़ावा दिया जा सके।

उत्तर प्रदेश में लगभग 30 नदियाँ हैं, जिनमें से दस को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया गया है।

आईडब्ल्यूएआई का वाराणसी क्षेत्रीय कार्यालय न केवल गंगा नदी बल्कि उत्तर प्रदेश में इसकी विभिन्न सहायक नदियों और अन्य राष्ट्रीय जलमार्गों पर विकास कार्यों की देखरेख करेगा। इनमें बेतवा, चंबल, गोमती, टोंस, वरुणा और गंडक, घाघरा, कर्मनाशा और यमुना नदियों के कुछ हिस्से शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश- संक्षिप्त समाचार

- कैबिनेट ने **केंद्र सरकार से व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण के साथ सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में मेडिकल कॉलेजों को संचालित करने के लिए सफल बोलीदाताओं के चयन को मंजूरी दे दी है।**

- इस पहल का लक्ष्य उत्तर प्रदेश के **हाथरस, बागपत और कासगंज सहित उन जिलों को लक्षित करना है,** जहां वर्तमान में सरकारी या निजी क्षेत्र में कोई मेडिकल कॉलेज मौजूद नहीं है।

- मेरठ से प्रयागराज तक फैले **गंगा एक्सप्रेसवे के पूरा होने के साथ ही उत्तर प्रदेश (यूपी) 1,047 किलोमीटर एक्सप्रेसवे वाला देश का एकमात्र राज्य बनने** की राह पर है।

चर्चा में व्यक्ति- नियुक्ति

आयुष्मान खुराना	**उन्हें फिक्की फ्रेम्स** का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। फिक्की फ्रेम्स भारतीय फिल्म उद्योग का एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन है।	
सीएस धनंजय शुक्ला	**कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के तहत एक सांविधिक निकाय,** भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) ने सीएस धनंजय शुक्ला को अध्यक्ष और सीएस पवन जी चांडक को उपाध्यक्ष चुना है।	

चर्चा में व्यक्ति- खेल

डी गुकेश	वह **अपने हमवतन अर्जुन एरिगैसी की जगह भारत के नंबर 1 शतरंज खिलाड़ी बन गए।** उन्होंने **नवीनतम FIDE रैंकिंग में चौथा स्थान हासिल किया है** । गुकेश ने नीदरलैंड के विज्क आन ज़ी में प्रतिष्ठित टाटा स्टील टूर्नामेंट में जीत के बाद पहला स्थान हासिल किया, जहां उन्होंने जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराया।	

समाचार में स्थान

येल (Yale) ग्लेशियर	❖ **यह नेपाल के सबसे व्यापक रूप से अध्ययन किए गए ग्लेशियरों** में से एक है । 2040 तक इसके लुप्त हो जाने की उम्मीद है। ❖ यह **सम्पूर्ण हिमालय में एकमात्र ग्लेशियर है जिसे ग्लोबल ग्लेशियर कैजुअल्टी सूची में शामिल किया गया है।** ➢ यह **परियोजना 2024 में** राइस विश्वविद्यालय, आइसलैंड विश्वविद्यालय, आइसलैंड ग्लेशियोलॉजिकल सोसाइटी, विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO), विश्व ग्लेशियर निगरानी सेवा और यूनेस्को के बीच सहयोग से शुरू की जाएगी। ❖ निगरानी शुरू होने के बाद से येल ग्लेशियर के क्षेत्रफल और आयतन दोनों में महत्वपूर्ण कमी देखी गई। ❖ इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (ICIMOD) के वैज्ञानिकों के अनुसार, **1974 से 2021 के बीच, यह 680 मीटर पीछे हट गया है।** इसकी ऊंचाई, जो 2011 में 5,170 मीटर से 5,750 मीटर के बीच थी, में भी काफी कमी आई है।

रिपोर्ट/सूचकांक

निर्भरता और जनसंख्या ह्रास:	❖ **इसे मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट** द्वारा प्रकाशित किया गया है।

BY PHYSICS WALLAH

नई जनसांख्यिकीय वास्तविकता के परिणामों का सामना करना' रिपोर्ट	❖ रिपोर्ट के अनुसार, **2050 तक भारत की वैश्विक खपत में हिस्सेदारी 16 प्रतिशत होगी**, जो 2023 में 9 प्रतिशत है। ❖ केवल **उत्तरी अमेरिका की 2050 में 17 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी**, तथा उसकी खपत हिस्सेदारी अधिक होगी। ❖ यह अनुमान क्रय शक्ति समता के आधार पर लगाया गया है, जो देशों के बीच मूल्य अंतर को बराबर करता है।

पुरस्कार/उपाधियां

व्यास सम्मान 2024 	❖ 28 जनवरी को प्रख्यात हिंदी लेखिका **सूर्यबाला** को **34वां व्यास सम्मान, 2024 प्रदान किया जाएगा**। ❖ उन्हें यह पुरस्कार उनके उपन्यास **"कौन देस को वासी: वेणु की डायरी" के लिए मिलेगा।** ❖ पुस्तक "कौन देस को वासी: वेणु की डायरी" में उन्होंने बताया है कि किस प्रकार भारतीय युवा यह मानते हैं कि अमेरिका उनका उज्ज्वल भविष्य है, तथा अमेरिका जाने पर उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, किन प्रलोभनों का शिकार होना पड़ता है तथा सांस्कृतिक स्तर पर उन्हें किस प्रकार के वैचारिक संघर्ष से गुजरना पड़ता है। ❖ **1943 में उत्तर प्रदेश के वाराणसी में जन्मी** सूर्यबाला ने काशी विश्वविद्यालय से हिंदी साहित्य में एमए किया और बाद में पीएचडी की। **व्यास सम्मान 2024 के बारे में** ❖ इसकी स्थापना **1991 में हुई थी**। ❖ यह पुरस्कार के.के. बिड़ला फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है। ❖ यह पुरस्कार **किसी भारतीय नागरिक द्वारा** पिछले 10 वर्षों के दौरान प्रकाशित उत्कृष्ट हिंदी साहित्यिक कृति को दिया जाता है। ❖ इसमें 4 लाख रुपये का नकद पुरस्कार, एक प्रशस्ति पत्र और एक पट्टिका दी जाती है। ❖ 2023 के लिए विजेता **पुष्पा भारती** अपने संस्मरण 'यादें, यादें!...और यादें' के लिए थीं।

महत्वपूर्ण दिन/तारीखें

25 जनवरी	**राष्ट्रीय मतदाता दिवस** 	❖ 25 जनवरी को पूरे देश में 15 वां **राष्ट्रीय मतदाता दिवस (एनवीडी) मनाया गया**। ❖ भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि थीं। ❖ इस वर्ष का **विषय "मतदान से बढ़कर कुछ नहीं, मैं निश्चित रूप से मतदान करूंगा"** पिछले वर्ष के विषय का ही विस्तार है, जो चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी के महत्व पर बल देता है, तथा मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने में गर्व महसूस करने के लिए प्रोत्साहित करता है। ❖ मुख्य चुनाव आयुक्त श्री राजीव कुमार द्वारा माननीय राष्ट्रपति को **"इंडिया वोट्स 2024: ए सागा ऑफ डेमोक्रेसी" शीर्षक वाली ईसीआई कॉफी टेबल बुक की पहली प्रति** भेंट की गई।

		❖ इस कार्यक्रम में **वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी द्वारा निर्मित आगामी डॉक्यू-ड्रामा श्रृंखला "इंडिया डिसाइड्स"** की एक छोटी क्लिप भी जारी की गई। ❖ आयोग द्वारा माननीय राष्ट्रपति को एक **ईसीआई प्रकाशन "बिलीफ इन द बैलट: ह्यूमन स्टोरीज शेपिंग इंडियाज 2024 इलेक्शन्स"** भी भेंट किया गया। यह पुस्तक मानवीय रुचि की कहानियों का एक संग्रह है जो इन चुनावों को अलग बनाती है। ❖ **वर्ष 2011 से राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रतिवर्ष 25 जनवरी को मनाया जाता है,** जो भारत के निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। भारत के गणतंत्र बनने से एक दिन पहले 25 जनवरी, 1950 को इसकी स्थापना की गई थी।

महत्वपूर्ण समाचार- अन्य राज्य

हिमाचल प्रदेश	**हिमाचल प्रदेश 25 जनवरी 2025 को** अपना 55वां राज्यत्व दिवस मनाया। इस दिन 1971 में हिमाचल प्रदेश को 18वें राज्य के रूप में गठित कर पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया।
पश्चिम बंगाल	प्रतिष्ठित **कोलकाता पुस्तक मेला 28 जनवरी से 9 फरवरी, 2025 तक साल्ट लेक सिटी में आयोजित किया जाएगा।** पहली **बार मेले में एक शुभंकर भी लाया गया है। यह देवी सरस्वती का वाहन है।** सरस्वती का वाहन हंस है और इसे किताबी कीड़े जैसा रूप दिया गया है।

महत्वपूर्ण समाचार- विश्व

यूएसए	ट्रम्प प्रशासन ने आधिकारिक तौर पर **मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी तथा अलास्का की चोटी डेनाली का नाम बदलकर माउंट मैककिनले कर दिया है।**

विविध

❖ **कृषि मजदूरों (सीपीआई-एएल) और ग्रामीण मजदूरों (सीपीआई-आरएल) के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक** (आधार: 1986-87=100) दिसंबर 2024 के महीने के लिए क्रमशः 1320 और 1331 अंक पर अपरिवर्तित रहा।
  - ➢ कृषि मजदूरों के लिए सीपीआई का संकलन सितंबर, 1964 से शुरू हुआ।
  - ➢ कृषि एवं ग्रामीण श्रमिकों के लिए सीपीआई की मौजूदा श्रृंखला (आधार 1986-87=100) ने नवंबर, 1995 से इसे प्रतिस्थापित कर दिया।

❖ बेंगलुरू में 'सूर्य, अंतरिक्ष मौसम और सौर-तारकीय संबंध' विषय पर सम्मेलन का **आयोजन भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए) द्वारा** कोडईकनाल सौर वेधशाला की 125वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किया गया है।
  - ➢ वेधशाला अपने फोटोग्राफिक चित्रों के भंडार के माध्यम से सूर्य के व्यवहार और पृथ्वी पर उसके प्रभाव के बारे में अमूल्य जानकारी प्रदान करती रही है, तथा यह देश में सौर खगोल भौतिकी के जन्म का अग्रदूत रही है।

❖ **केंद्रीय बजट 2025-26 की तैयारी प्रक्रिया के अंतिम चरण को चिह्नित करने वाला हलवा समारोह 24 जनवरी 2025 को आयोजित किया**

गया। इस समारोह का नेतृत्व वित्त मंत्री सीतारमण ने केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और सचिवों की उपस्थिति में किया।

- हलवा **समारोह संसद में बजट प्रस्तुति से कुछ दिन पहले मनाया जाने वाला एक पारंपरिक अनुष्ठान है,** जिसमें बजट की तैयारी में शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए "हलवा" तैयार किया जाता है और परोसा जाता है।
- हलवा समारोह वित्त मंत्रालय में लॉक-इन अवधि की शुरुआत का भी प्रतीक है, जिसका अर्थ है कि बजट प्रक्रिया में शामिल किसी भी अधिकारी को नॉर्थ ब्लॉक परिसर छोड़ने की अनुमति नहीं है।